ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–56
दिनांक: शुक्रवार, 24 जुलाई, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.1 एवं 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 79 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.3 एवं दोपहर में 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(25–29 जुलाई, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 25 जुलाई से 29 जुलाई, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार में अनेक स्थानों पर 28–29 जुलाई के आसपास गरज के साथ बिजली चमकने एवं तेज हवा चलने की संभावना है। गोपालगंज, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, सिवान, वैशाली, सारण, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों के कुछ–कुछ स्थानों में घने बादल तथा मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के बाकी जिलों में अच्छी वर्षा होने की संभावना नहीं है। कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 30–34°C के बीच तथा न्यूनतम तापमान 24–28°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 80–90% तथा दोपहर के समय 50–55% के बीच रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्य रूप से पूर्वी दिशा से 5–15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- तिल: ऊँचास जमीन में तिल की बोआई करें। उपलब्ध मृदा नमी का लाभ उठाने के लिए बोआई का कार्य इस सप्ताह के अंत तक पूरा कर लें। *कृष्णा, कालिका, कांके सफेद* एवं *प्रगति* (एमटी–75) किस्मों का चयन करें। बीजों को थायरम 2 ग्रामधकिलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर 30×10–15 सेमी की दूरी पर बोआई करें तथा प्रति हेक्टेयर 60 क्विंटल गोबर की खाद के साथ 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 20 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 20 किलोग्राम पोटाश (बेसल) का प्रयोग करें। शेष 20 किलोग्राम नाइट्रोजन बोआई के लगभग 30 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग के रूप में दें।
- मोटे अनाज (मिलेट्स): अपर्याप्त वर्षा की स्थिति में अच्छी जल निकास वाली ऊँचास जमीन पर वैकल्पिक फसल के रूप में रागी (राजेंद्र *मडुआ, आर.यू–8* एवं *आर.यू–3*) तथा कौनी (*राजेंद्र कौनी–1*) की खेती करें।
- सूरजमुखी: ऊँचास जमीन में *के.बी.एस.एच.–1, के.बी.एस.एच.–44, के.बी.एस.एच.–53* तथा डी.*आर.एस.एच.–1* जैसी संकर किस्मों की बोआई करें। बीजों को थायरम/कैप्टाफ 2.5 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर 60×30 सेमी की दूरी पर बोएँ तथा प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल गोबर की खाद के साथ 40 किलोग्राम नाइट्रोजन, 90 किलोग्राम फॉस्फोरस, 40 किलोग्राम पोटाश तथा 30–40 किलोग्राम गंधक (सल्फर) का प्रयोग करें।
- परवल: किसान परवल की बोआई कर सकते हैं। *राजेंद्र परवल–1, राजेंद्र परवल–2, राजेंद्र परवल–3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक* एवं *स्वर्ण सुरुचि* किस्मों का चयन करें। खेत में 150×100 सेमी की दूरी रखें तथा खेत की तैयारी के समय प्रति हेक्टेयर 20–25 टन सड़ी हुई गोबर की खाद एवं 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें।
- आम: वर्षा जल से गड्ढों की मिट्टी अच्छी तरह बैठ जाने पर आम के पौधों की रोपाई करें। कलमी पौधे 10×10 मीटर एवं बीजू पौधे 12×12 मीटर की दूरी पर लगाएँ। सघन बागवानी में नियमित छंटाई करें तथा प्रत्येक फलदार पेड़ में 1 किलोग्राम नाइट्रोजन, 300 ग्राम फॉस्फोरस, 700 ग्राम पोटाश एवं 80–100 किलोग्राम गोबर की खाद का प्रयोग करें।
- केला: स्वस्थ सकर्स अथवा टिशू कल्चर पौधों की रोपाई करें। लंबे पौधों को 2.0×2.0 मीटर तथा बौनी किस्मों को 1.5×1.5 मीटर की दूरी पर लगाएँ। प्रत्येक गड्ढे में 5 किलोग्राम गोबर की खाद, 500 ग्राम अरंडी की खली, 300 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट, 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 10 ग्राम कार्बोफ्यूरान मिलाएँ तथा रोपाई से पूर्व सकर्स को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/लीटर पानी की दर से उपचारित करें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी